DJRD-5-HI

क्या यीा मुर्दों में से जी उठा? 5

अनाऊंसर: आज हम आपको बहस में न्योता देना चाहते हैं, संसार के बहुत ही विख्यात फिलोसोफर नास्तिक के साथ, डॉ. एन्थनी फ्लू, ये ऑक्स्फ़र्ड युनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे, और मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार डॉ. गैरी हैबरमास, लिबिर्टी युनिवर्सिटी के फिलोसोफी के डिपार्टमेंट के वर्तमान के चेअरमैन हैं/ आज का विषय है क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

डॉ. गैरी हैबरमास: यदि चेलों ने सोचा कि जी उठे यीशु को देखा है, और भ्रम काम नही करता है, और हम जानते हैं कि और कुछ काम नही करता है, तो हमारे पास ये अद्भुत घटना है, ऐसा समय होना चाहिए जिसमे हम कह सके, उन्होंने जो हुआ उसके सबूत दिए, खासकर ये ऐसा संसार है जहाँ मैं देखता हूँ परमेश्वर को, प्रार्थना, चंगाई, मृत्यु के बाद जीवन, अब मैं कह रहा हूँ कि ये परमेश्वर के पुत्र जैसे दिखता है, और पुनरुत्थान के सबूत से ऐसा दिखता है कि यीशु ने जो होने का दावा किया वो वही है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: यदि ये सही है तो बहुत से लोगों ने इस पर विश्वास क्यों नही किया?

मसीहियत मसीह के पुनरुत्थान पर खड़ी रखती या गिर जाती है/ यदि मसीह मुर्दों में से जी उठा है, तो मसीहियत सच्ची है, यदि वो नही जी उठा, तो मसीहियत झूठी है, यहाँ तक कि प्रेरित पौलुस ने लिखा, यदि मसीह नही जी उठा, तो हमारा विश्वास बिना बुनियाद का है, हमारा प्रचार बेकार है, और हम अब भी हमारे पापों में हैं/ हम आपको इस महत्वपूर्ण बहस में जुड़ने का न्योता देते हैं/ द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, हम इस सवाल पर चर्चा कर रहे हैं क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है? बहुत मुश्किल सवाल है, और हमारे साथ संसार के दो महान फिलोसोफर हमारे साथ हैं, ये हैं डॉ. एन्थनी फ्लू, जिन्हें संसार के सबसे बड़े फिलोसोफिकल नास्तिक माना जाता है, इन्होने 23 से भी ज्यादा किताबें लिखी हैं, जिन में हैं ह्यूमस फिलोसोफी ऑफ़ बिलिफ्स, गॉड एंड फिलोसोफी, इंट्रोडक्शन टू वेस्टर्न फिलोसोफी, द प्रजमश ऑफ़ एथिज्म, और अदर फिलोसोफीकल एसेज़ ऑन गॉड, फ्रीडम एंड इममोरटेलिटी/

और मेरे दूसरे मेहमान हैं डॉ. गैरी हैबरमास, विख्यात मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार, जिन्हें बहुत से लोग यीशु के पुनरुत्थान के सबूतों के बारे में एक्सपर्ट मानते हैं, और गैरी ने 21 किताबें लिखी हैं, जैसे कि ऐतिहासिक यीशु, मसीह के जीवन के लिए प्राचीन सबूत, और डिफेंसिव मिरेक्ल्स, और वे बिलिल गॉड एक्सिस्ट/

दोस्तों हम बहुत खुश है कि आप यहाँ आए हैं, हम इस सेक्शन में ये चर्चा करना चाहते हैं, ये सवाल बार-बार आता है, और वो है, सुनीए, मेरी माँ, मेरी बहन, मेरे परिवार के सदस्य, मेरे दोस्त, टोनी, शायद वो पुनरुत्थान में विश्वास करना चाहते हैं, लेकिन बात ये है कि हम प्रतिदिन पुनरुत्थान होने नही देखते हैं, ठीक है? डॉ. हैबरमास मैं जितने भी फ्यूनरल में गया हूँ, मैंने अब तक नही देखा कि उन में से कोई कब्र में से बाहर आया हो/ याने मेरा अनुभव है, मेरा सारा अनुभव कहता है, मरे हुए मरे रहते हैं, और आप मुझे यहाँ से ले जाकर कहना

चाहते हैं, जानते हैं, मरे हुए मरे रहते हैं, यहाँ उपर चमत्कार तक, केवल छोटे चमत्कार तक नही, लेकिन मरे हुओं में से यीशु मसीह के जी उठने तक, अब मेरे पास इसकी कोई पृष्ठभूमि नही है, इसके बारे में बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, ये अच्छा हैं, मैं सोचता हूँ कि आपने पूरा मुद्दा बताया है, जिससे फिलोसोफर शुरू करनेवाले की संभवना कहते हैं, और मैं सोचता हूँ कि ये शायद एक ही मुद्दा है चमत्कारों के बारे में, पुनरुत्थान नही लेकिन चमत्कार की बात, मैं सोचता हूँ कि अस्थिक इसके बारे में दो तरह से कह सकते हैं, एक तो ये कहना होगा, आपका संसार का दृष्टिकोण गलत है, ये नही कि हम यहाँ हैं और जी उठना माउन्ट एवेरेस्ट जैसे है, यहाँ संसार में बदलाव आने चाहिए, अब, ये बहस तो इसे बात पर नही है, लेकिन ये बढ़ाई गई, चर्चा होगी, और मैं कहूँगा, कि हमारा संसार कैसे दिखता है, मैं परमेश्वर के अस्तित्व के बारे में डेटा पर कहना चाहूँगा, मैं मृत्यु के पास के अनुभवों पर कहना चाहूँगा, और क्योंकि देखिए, यदि परमेश्वर अस्तित्व में है, तो समतल जमीन उठती है कुछ इस हद तक आती है, मतलब, यहाँ मेरे दोस्त, डॉ. फ्लू ने कहा है, सन 85 की डिबेट में इन्होने कहा क्या हमारे पास कुछ कारण है कि हम कहे परमेश्वर का अस्तित्व है, तो पुनरुत्थान तो इन्हीं में से एक दिखता है, और मैं सोचता हूँ कि इन्ही जैसे दिखता ये शब्द इन्ही के शब्द हैं/ याने परमेश्वर इस चित्र को बदलता है/

यदि वर्तमान में चमत्कार हो रहे हैं, मैं सोच रहा हूँ, डबल ब्लाइंड स्टडी, जो 400 कार्डियाक पेशन्ट के साथ की गई, कुछ साल पहले सेंट फ्रान्सिसको हॉस्पिटल में, और उन्होंने डबल ब्लाइंड अनुभव पाया, याने आधे लोगों के लिए प्रार्थना की और आधे लोगों के लिए प्रार्थना नही की, और उन्होंने इन पेशन्ट को 26 कैटगरी में मोनिटर किया, और जिन के लिए प्रार्थना की गई थी, वो क्रम में बेहतर थे, अब ये महत्वपूर्ण हैं, केवल बेहतर नही लेकिन क्रम में बेहतर थे, 26 में से 21 लोग बेहतर हुए, ये मुड़ी मन्थली ने पब्लिश किया, नही, ये पब्लिश हुआ, सदर्न जरनल ऑफ़ मेडिसन द्वारा/ मुड़ी के द्वारा नही, सदर्न जरनल ऑफ़ मेडिसिन के रिव्यूवर्स ने सोचा कि ये मेडिकल महत्वपूर्ण है, कि जिन लोगों के लिए प्रार्थना की गई, वो 26 में से 21 कैटगरी में बेहतर हैं/

जैसे मैं कहा, मृत्यु के पास का अनुभव, यदि मृत्यु के बाद का जीवन सच है, मैं सोचता हूँ कि मृत्यु के पास का अनुभव एक बहस होगी, याने ये समतल होता है, याने एक तरह से देखे तो समतल बात उठती है और दूसरी बातें भी यहाँ चलती हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए मैं आपको उदाहरण देता हूँ टोनी, एक किसान था जो जीवन भर अपने खेत में ही पला-बढ़ा/ ठीक है, उसने केवल ऐसे ही जानवर देखे थे, जैसे चिकन, भैस और घोड़े/ और एक दिन वो चिड़ियाघर गया, और फिर देखिए जैसे वो वहां चल रहा था, और उसने एक जिराफ को देखा, और उसने उसे देखा, और उसे फिर से देखा, और अपनी पत्नी से कहा, ऐसा कोई जानवर नही है, ये उसका अनुभव से बाहर का था, क्या आप उस किसान जैसे नही जिसने कहा, जानते हैं, मेरे अनुभव में यहाँ कोई पुनरुत्थान नही है, लेकिन आप उन सबूतों को देख रहे हैं, जो आपकी आँखों के सामने हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: मैं नही सोचता कि ये काम करेगा, क्योंकि चमत्कार का ये विचार तो प्रकृति के विचार के खिलाफ है, ये दिखने के लिए ये हर समय कुछ हो रहा है, और कोई कारण नही है कि ये सोचे कि ये असंभव है, ये तो लोगों की आस्था और दूसरे विश्वास को बदलनेवाला नही है/ जानते हैं, कि ये पूरा मुद्दा कि बहस करते रहे, कि ये पुनरुत्थान हुआ, ये तो कहना है कि ये असंभव था लेकिन ये केवल अलौकिक सामर्थ के द्वारा हुआ है/ जानते हैं, जैसे हम सब जानते हैं कि जिराफ संभव है, लेकिन वो तो एक जानवर है, और इसे जानना, और इसके लिए कोई भी कारण नही है कि कहे कि ये किसी तरह से असंभव है/ याने ये कोई उत्साहित बात बनानेवाला नही है/ मैं सोचता हूँ ये मुश्किल मुद्दा है, चमत्कार का विचार पूरी तरह से आधारित होता है, स्वाभाविक नियम और शारीरिक असंभव विचारों पर, ये केवल प्रकृति के हमारे नियम और ये ऐसी बातें हैं जो मनुष्यों के

लिए संभव है, ये कहना उत्साहित करनेवाला होगा, कि यहाँ कुछ असंभव बात की गई है, ये मनुष्यों के लिए संभव नही है, ये केवल आलौकिक सामर्थ के लिए संभव है/

डॉ. गैरी हैबरमास: ठीक है, यदि मैंने सही सूना है, तो कहिए कि मुझे सौभाग्य मिला है, दू:ख की बात होगी यदि मुझे फ्यूनरल करने के लिए कहा जाए/ और मैं इस बहन को जानता था और एक महीने पहले, मैं फ्लोरिडा गया था, और फ्यूनरल किया, 3 हफ्तों बाद उसी क्षेत्र में वापस आया, मैं बोल रहा था और परिवार वहां पर था/ और मैंने उदाहरण का उपयोग किया और कहा, कि क्या होगा यदि आपकी बेटी जो वकील थी, मेरे पास आकर कहे, जानते हैं, याने उनकी माँ को दफनाने के 4 हफ्ते बाद, वो कहे कि मैंने माँ को देखा और कल उनके साथ लन्च भी किया/

अब, आप ये कह रहे हैं कि हम में से कोई भी तुरन्त, चाहे वो वकील ही क्यों न हो, चाहे उनकी अद्भुत गवाही हो, हम यही कहेंगे कि जानते हो, अब आपने ने मुझे ये बताया, मुझे लगता है कि आपकी माँ का फोन नंबर मेरी फोन बुक में फिर लिखना होगा, हम अनुमान नही लगाते हैं कि मरे हुए लोग जिन्दा नही होते, तो चलिए यहाँ गैरी की बात मानते हैं, हम कैसे इस बात पर आए, कि इस बात को स्वीकार करें कि भूतकाल के इतिहास में पुनरुत्थान हुआ होगा, खासकर यीशु मसीह का?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, जैसे मैंने कहा कि कम से कम दो मार्ग हैं, एक तो प्रकृति में अद्भुत बातों का अनुभव किया है, प्रार्थनाओं का उत्तर चंगाई, या मृत्यु के पास का अनुभव, मृत्यु के पास का अनुभव और मृत्यु के बाद का जीवन सच है/ और दूसरी ओर हम बहस कर सकते हैं कि यदि उन्होंने यही कहा है, एक वकील ऐसे कहे तो आप कहेंगे, हाँ, ये काफी नही है, लेकिन यदि वो ये कहती रहे, और दूसरे डेटा दे, अब, मैं अपना वॉल मार्ट का उदाहरण उपयोग करता हूँ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हमें बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: मेरे वॉल मार्ट के उदाहरण में कहिए, मैं कहिए यहाँ आता हूँ, अब हम स्टोर में जाना पसंद करते हैं, और जैसे आप आईल में अपनी कार्ट आगे ले जाते हैं, और दोस्त को हाय कहते, और दो आईल के बाद एक और दोस्त हैं, और 2 आईल के बाद 3 दोस्त आपस में बातें कर रहे हैं, एक ग्रुप बनाकर, कहिए कि मैं किसी को वॉल मार्ट में देखता हूँ, और हमने बातें की और हाथ मिलाया, और फिर कुछ आईल के बाद कोई और इन से बातें करता है, और कुछ आईल बाद 5 लोग इस व्यक्ति से बातें करते हैं, मैं बातचीत करने लगता हूँ, लेकिन इसके साथ ही और भी कुछ चिन्ह थे, कहिए कि ये व्यक्ति अपने जूते की धुल साफ करता है, कहिए कि मैं आगे बढकर उस व्यक्ति को छूता हूँ, हाथ मिलाता और कंधे पर थप-थपाता, चलिए मैं फोटो के लिए रुकता हूँ, कहिए कि यदि इसी की कमी हो, याने इस व्यक्ति को, इस व्यक्ति को पिछली बार देखा, उसकी अंतयात्रा में, 3 दिन या एक हफ्ते पहले, तो मैं खुद से कहूँगा, हमने इस व्यक्ति को नही दफनाया, मतलब मैंने मेडिकल एग्जामिनर की रिपोर्ट को देखा, मैं जानता हूँ कि ये व्यक्ति मर गया है, ठीक है, तो मेरे पर्याय क्या हैं?

ये तो जुड़वाँ भाई होगे, और जो भी कहे इसे नैचरलिस्टिक थेयरी कहते हैं, कहिए कि वो व्यक्ति कहते हैं, नही आप जानते हैं मेरा भयानक कार एक्सीडेंट हुआ था, और उसके ये निशान हैं, अब मेरा जुड़वाँ भाई नही, मैं हूँ/ और शायद आप यहाँ नही हैं, खैर मुझे चुभाकर देखो/

मैं कह रहा हूँ कि कुछ समय के बाद, जूते की धुल और पीठ पर थप-थपाना, बाद में ऐसा समय होगा, जिसमे आप कहेगे, ओ, मुझे पता नही क्या करूं? लेकिन मेरे पास मेडिकल रिपोर्ट है, मैं इनके फ्यूनरल में था, मैंने कार एक्सीडेंट देखा, उसका निशान तुम्हारे सिर पर है, तुम 3 साल से मेरे अच्छे दोस्त हो/

और अब आप दूसरे लोगों से पूछिए, क्या तुमने इसे यहाँ देखा, क्या तुम सब इसे देख सकते हो? क्या इसे अकेले देख पा रहे हो, या कोई भ्रम है? क्या इसे समूह में देख पा रहे हैं, ठीक है? अब और किसी ने इसे छुआ है? मैं कह रहा हूँ कि इसे देखने का दूसरा तरीका है, ऐसा समय आता है जिसमे आप कहते हैं, ये मेरे अनुभव से नही मिलता,लेकिन ये वही व्यक्ति दिखाई देता है/

मैं सोचता हूँ कि इसी तरह से, याने इन्हें थोमा का केस पसंद है, मतलब मुझे लगता है कि ये थोमा की बात है, ये किसी तरह से वॉल मार्ट में नही चलेंगे, तो वो कहता है, जाँचकर देख लो, और पौलुस कहता है कि मैं उन सबको मार दूंगा, खैर वो यीशु को देखता है, याकूब कहता है, यही है, मैं कह रहा हूँ कि इसे देखने का दूसरा तरीका है, इतना डेटा है कि वो प्रकृति की सारी बातों से बढकर है/

और मैं प्रकृति के नियम के बारे में जोड़ना चाहूँगा, प्रकृति के नियम ह्युमियन हैं, या कहिए, कुछ न्युटोनीयन, सिद्धान्त हैं, ह्यू तो न्यूटन से बेहतर हैं, लेकिन ये ऐसे नही जो कुछ होने से रोक दे, प्रकृति के नियम वो हैं, जब प्रकृति को अपने आप में छोड़ दे तो जो होता है उसका विवरण है/ लुईस ने कहा, जब कि ये विवरण दिए गए हैं पत्थर की दीवार नही हैं, ये सीमेन्ट की दीवार नही हैं, तो गिनती को फिर लिख सकते हैं, इसलिए मैं खुले रूप में कहूँगा कि वॉल मार्ट के वो व्यक्ति, फ्यूनरल के ही व्यक्ति हैं, हमें इसके लिए खुले रहना होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्या सोचते हैं टोनी?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं नही सोचता कि यहाँ इस पर चर्चा हो, लेकिन मैं इस विचार से सहमत नही, कि प्रकृति के नियम केवल गिनती के हैं/

मैं इस मुद्दे पर वापस जाना चाहता हूँ, कि चमत्कार को प्रकृति के नियम के उपर अधिकार करना है, खैर, याने ऐसा कुछ करना जिसे मनुष्य के रूप में करना असंभव है, और मैं सोचता हूँ कि इसके लिए सबूत हो सकते हैं, लेकिन ये आधारित होता है, सही बनाए गए विश्वास पर, और केवल आलौकिक सामर्थ के अस्तित्व के बारे में ही नही, लेकिन सामान्य विश्वास ही काफी है, उस आलौकिक सामर्थ के स्वभाव और मकसद के लिए, केवल ये कहने से कि ओ शुरू में कोई व्यक्तिगत सामर्थ थी, जिसने ये किया, सच में क्या चाहिए और अवश्य ही वो उपलब्ध हो, इस खास केस के बारे में जिस पर बहस कर रहे हैं, ये तो पूरी तरह मूसा की आस्था की बात आती है, ये केवल परमेश्वर की आलौकिक सामर्थ नही है, सर्वसामर्थी शक्ति/ ये तो मूसा की आस्था का परमेश्वर है, जिसे पुराने नियम का परमेश्वर कहते हैं, और ये इस में विश्वास करना है, और मैं सोचता हूँ कि इसके कारण चमत्कारों पर इस तरह विश्वास किया जाता है/ (जी, कुछ ही समय बाकी है)

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं सहमत हूँ, हमारे पिछले सेगमेन्ट में हम चर्चा कर रहे थे कि यीशु ने दावा किया, उस परंपरा के परमेश्वर के साथ वो जुड़ता है, कहता है, मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ, मनुष्य का पुत्र हूँ/ फिर वो सारे सबूतों के साथ मुर्दों में से जी उठता है, ये तो अवश्य ही उस परंपरा में जुड़ना है, ये सबसे बड़ी बहस होगी कि यीशु ने जो होने का दावा किया है वो वही है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी/

याने यदि वो जी उठा, तो कोई है जो परमेश्वर का पुत्र होने का दावा करता है/ परमेश्वर ने दोष निकालनेवालों को मुर्दों में से नही जिलाया/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम इस मुद्दे को देख रहे हैं क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है? लौटने पर हम इस पर और भी चर्चा करेंगे, और दूसरे सबूतों पर भी चर्चा करेंगे, ये आपको कोने तक लेकर आए, इस विश्वास में कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है, तो बने रहिए/

ब्रेक/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं, डॉ. गैरी हैबरमास और डॉ. एन्थनी फ्लू से, और गैरी आप कौनसे सबूत इस चित्र में लाएंगे, उनके लिए जो नैचरलिस्ट हैं, और कहते हैं, कि इसके लिए नैचरलिस्ट विवरण होना चाहिए, टोनी नही जानते कि इन बातों को कैसे बताए, ऐतिहासिक सबूतों को, यीशु के जी उठने के लिए, जो आपने अब तक बताए, लेकिन इनका विचार यही है कि इस तरह सामान्य रूप में ये ऐसे नही हो सकता/ आप इसके लिए क्या कहेंगे?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, मैंने इस तरह कहा, एक तो पुनरुत्थान का सामर्थी सबूत है, और इस के लिए दूसरा तरीका ये कहना होगा, ये संसार दूसरे पर्यायों को मानता है, अब मृत्यु के पास का अनुभव उदाहरण के लिए, ये चमत्कार नही होगा, कुछ भी यदि मृत्यु के पास का अनुभव बाद के जीवन के लिए सबूत है, तो यीशु का जी उठना फिर भी अद्‌भुत होगा, लेकिन यदि लोग मरने के बाद भी जीवित रहते हैं, तो पुनरुत्थान की और नए तरह से देखना होगा, याने मृत्यु के पास के मेरे अनुभव में, ये नही कि हजारों बोलनेवाले सही हैं, लगभग 8 मिलियन अमेरिकन ने मृत्यु के पास का अनुभव पाया है/ मेरी दिलचस्पी टनल और लाईट में नही है, क्योंकि ये कुछ समय का हो सकता है, ऑक्सीजन की कमी हो सकती/

मेरे लिए 1972 से, मैंने 100 से भी ज्यादा केस देखी हैं, मृत्यु के पास के अनुभव की, जहाँ कुछ सबूत की बात होती है, दो ब्लॉक्स हैं, और कुछ केस में कुछ मील की दूरी हैं, अब, मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ और ये हालही का है, लेकिन मेडिकल डॉक्टर कार्डियोलोजीस्ट, माइकल सेबाम ने कहा, 1982 की किताब में, रिक्लेकशन ऑफ़ डेथ : अ मेडिकल पर्सपेक्टिव, उन्होंने कहा जब मैंने ये किताब लिखी, हमारे पास केवल मृत्यु के पास के अनुभव थे, अब हमारे पास मृत्यु के बाद के अनुभव हैं, इनकी नई किताब, लाईट एण्ड डेथ, वो एक केस बताते हैं, एक दक्षिणी माँ की, 30 साल की थी, जिन्हें ब्रेन अनयूररिज्म था, और उन्हें एरोजोना ले जाना पड़ा, खास टेकनिक के लिए, मैंने विश्वास नही किया ऐसे लगा कि संसार का एक ही डॉक्टर इसे कर सकता है/ लेकिन इसके लिए 30 डॉक्टर और टेकनीशियन एक कमरे में थे, देखिए क्या हुआ था, उन्होंने इनकी खोपड़ी खोल दी, यदि अनयूररिज्म वहां होते, तो रिपेअर करते, लेकिन यदि गहराई में जाए, तो वो इसे प्रभावी करते हैं जिसे कहते हैं, ऑपरेशन स्टेंड स्टील/ ये अजीब है, क्योंकि इसमें पेशन्ट की मौत होती सकती है/

अब ये बहन एरिज़ोना गई, उन्होंने उसकी खोपड़ी खोल दी, और गहराई में जाकर इसे देखा, गहराई में, याने उन्हें मारना पड़ा, और उन्होंने उनके बॉडी टेम्परेचर को ५९ डिग्री तक लाया, और उनके सिर से सारा खून निकाल दिया, उन्होंने उनका दिल बन्द किया, और ब्रेन को रोक दिया, और ये कई घंटों तक बन्द रहे, और वो अपना काम करने लगे, और संक्षित में बताऊ, आप परिणाम देखना चाहेंगे, उन्होंने उस भाग को निकाला उसे ठीक किया, और आज वो अच्छी हैं, ठीक है? लेकिन दिलचस्प बात ये है कि उनकी गवाही, जब उन्होंने उस सॉ शुरू होते हुए सुना, उन्होंने कहा, कि वो शरीर से बाहर आई, और वो अपने कंधे के उपर देखने लगी, अपने सिर के उपरी भाग को, अब वो उस भाग के पास थी जहाँ उन्हें मारा जाना था, और वो सहमती के 6 पॉइंट देती है, और एक बात जो उन्होंने कहा कि मुझे ये विचार आया कि ये ड्रिल है जो पिज़्ज़ा कटर जैसे था/ या ऐसा कुछ, लेकिन वो पेन जैसे दिखा, जिसका छोटा भाग हो, ये कहाँ से आया, उन्होंने कहा आपके पास में सॉकेट रेंच हैं/

और मेडिकल डॉक्टर ने कहा, कि सॉकेट रेंच का मतलब क्या है? वो सबूत देने की राह देख रहे थे, वहां एक बक्सा खुला था जिसमें बदलनेवाले भाग थे, उन्होंने कहा उस ड्रिल का चित्र बनाइए/ उन्होंने बनाया, चलिए सॉकेट का चित्र बनाइए, उन्होंने बनाया, और फिर उन्होंने उस कमरे में जो हुआ वो बताया, उन्हें आर्टरी नही मिल रही थी, तो दूसरे भाग में देखना पड़ा/ उन्होंने बताया कि किस डॉक्टर ने निर्णय लिया और किस डॉक्टर

को आर्टरी नही मिल रही थी, ये इनके मेडिकल रिपोर्ट में है, लेकिन इस अनुभव में, और फिर उन्होंने उसे मार दिया, वो तीन घंटों तक मरी रही, उन्हें ये सब बातें याद हैं, और मैं ऐसे बहुत बता सकता हूँ/

लेकिन एक केस में, संक्षिप्त में, एक लडकी डूब गई थी, 19 मिनट तक पानी के निचे थी, उसने बताया कि उसके माता-पिता उस रात घर में क्या कर रहे थे/ माँ ने डिनर में क्या पकाया, डैडी कहा बैठे थे, जी. आय जो, उनके भाई खेल रहे थे, उनकी बहन जिसे गुडिया से खेल रही थी, उस विख्यात गीत के बारे में बताया जो टेलीविजन पर आया था, माफ करना रेडियो पर, और उन्होंने बताया, जब कि ब्रेन एक्टिविटी नही थी, शान्त था/ वो तीन दिनों बाद आई, डॉक्टर की ओर देखकर कहा कि आपने मेरी जान बचाई है/ उन्हें ये बड़ी कहानी बताई, उन्होंने तीन दिनों पहले के डेटा से जांचा/

अब, मैं सोचता हूँ कि ये हार्ड केस हैं और ऐसे बहुत से हैं/ यदि ये सच है, याने मृत्यु के बाद जीवन, और यदि यीशु नही है, लेकिन यदि मृत्यु के बड़ा जीवन है, तो ये मॉडल समझने में मदत करता है जिसे हम पुनरुत्थान कहते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: टोनी?

डॉ. एन्थनी फ्लू: इसे मृत्यु के बाद का जीवन दिखना चाहिए?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, मैं सोचता हूँ, ठीक है, वो बढ़ाया हुआ जीवन नही, स्वर्ग या नरक नही, लेकिन मैं कहूँगा, कि ये मृत्यु के बाद का कम से कम जीवन है, मृत्यु के बाद का कम से कम जीवन, मतलब, मिनट, कईबार घंटे, मिनट, हार्ट या ब्रेन के काम बन्द करने के बाद/

अब मेरे लिए, यदि कोई व्यक्ति कुछ रिकॉर्ड कर रहा है, यदि वो मेरी, मेरी मेडिकल रिपोर्ट में है, जिसे मैंने बनाया, 3 बजकर 2 मिनट में, और कोई ब्रेन वेव नही है, सवा तीन पर भी, और मैं उसके कुछ मिनट के बाद क्या हुआ ये रिपोर्ट करता हूँ, या एक घन्टे बाद, और मैं आप से कह सकता हूँ, कि क्या हुआ, कहिए पुलिस रिपोर्ट, और उस घटना के बाद, अब मैं मृत्यु के बाद जीवन के बारे में स्वर्ग या नरक के रूप में ही नही देखता, लेकिन मृत्यु के बाद के मिनट का डेटा रखना है/ याने सोचिए कि मृत्यु के कुछ घन्टों के बाद का जीवन, ये नैचरलिस्ट के लिए मुश्किल बात होगी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: टोनी क्या ये द्वार खोलता है कि संभावना हो, कि नैचरलिजम से बढकर कुछ होगा?

डॉ. एन्थनी फ्लू: हूँ, सच में, मुझे नही लगता, लेकिन ये अलग विषय है, ये सच में मेरा पसन्दीदा विषय है, मैंने भविष्य के जीवन की संभावनाओं पर बहुत कुछ लिखा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: नैचरलिस्टिकली से हटकर आप क्या कहते हैं कि इन केस में क्या हुआ?

डॉ. गैरी हैबरमास: ये रिपोर्ट है जब कई समय तक उनके हार्ट और ब्रेन में कोई एक्टिविटी नही थी?

डॉ. एन्थनी फ्लू: ये ऐसा है किसे शरीर के बाहर रहने का अनुभव कहते हैं, है ना?

डॉ. गैरी हैबरमास: खैर इस शरीर के बाहर रहने में कोई मृत्यु के करीब नही होता है, और एन डी ई में याने मृत्यु के पास, और मैं सोचता हूँ कि अलाबामा के की इस बहन के केस में, या जॉर्जिया में, वो मृत्यु के पार थी, सारे स्थर के अनुसार, 59 डिग्री में, सिर में कोई खून नही था, दिल और ब्रेन काम नही कर रहा था, कई घन्टे तक, उसे कोई रिपोर्ट नही करना था, सच है ना?

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही, लेकिन यदि वो सच में मर गई थी, तो उसे इस तरह से ठीक नही होना था/

डॉ. गैरी हैबरमास: ये एक अजीबसा सबूत है उसका जिसकी कोई ब्रेन एक्टिविटी नही थी, वो लंग मशीन पर थी, खैर बता दूँ कि डॉक्टर ने उसे 10 हज़ार में से केवल एक ही व्यक्ति के जीने की संभावना बता दी थी, कि ये इतना मुश्किल है,3 दिनों के बाद वो आकर सटीकता से कहती है, आप ही ने मुझे बचाया है, उस लंबे बिना दाड़ीवाले का क्या हुआ? उसने कहा मैं उन्हें बुलाता हूँ, और ये व्यक्ति अग्नोस्टिक हैं और मैंने खुद डॉक्टर से बातें की हैं, जानते हैं अब वो अग्नोस्टिक नही हैं, वो विश्वास करते हैं, वो मसीही नही हैं, लेकिन मानते हैं/

याने ये किसी चीज़ के सबूत हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मतलब ये ऐसी बात हैं जिसे समाज सायकिकल रिसर्च रखता है जिसे आज पैरा-सायकोलोजी कहते हैं, इस तरह से, खैर मैं इसके बारे में कहना चाहूँगा खैर ये सायकोलोजीकल नही है, एक्स्ट्रा परसेप्शन जैसे कुछ है/

डॉ. गैरी हैबरमास: लेकिन आप ई एस पी पर विश्वास नही करते हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही/

डॉ. गैरी हैबरमास: तो नैचरलिस्टिक क्या विश्वास करते हैं कब ब्रेन और हार्ट की कोई एक्टिविटी नही होती है?

डॉ. एन्थनी फ्लू: मुझे इसके बारे में पता नही, लेकिन जानता हूँ कि ई एस पी की रिपोर्ट के साथ क्या करें, क्योंकि सामान्य रूप में लोग बार-बार, इसके बारे में सबूतों को स्थापित करने के लिए कोशिश करते हैं, और इसे प्रकट करने का एक ही तरीका है, वो है बार बार प्रकट करना/

डॉ. गैरी हैबरमास: अवश्य ही इन सब लोगों के ब्रेन और हार्ट काम कर रहे थे/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, हाँ, और ये नया एंगल है/

डॉ. गैरी हैबरमास: लेकिन ब्रेन और हार्ट के बिना ये तो, बहुत अजीब होगा/

डॉ. एन्थनी फ्लू: ये मेरे लिए बिलकुल नया है, जी,ये अवश्य ही नया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, इसे खत्म करना होगा, गैरी, हम जो भी चर्चा करते आए हैं, जिसमे मृत्यु के पास का अनुभव भी है, ये कहाँ आता है और सबूत आपको अब तक क्या दिखाते हैं?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, मैं कह रहा हूँ जिसके बारे में हम ने चर्चा भी नही की है, लेकिन मसीही लोग आस्था के संसार के दृष्टिकोण से चर्चा करना चाहते हैं,जैसे टोनी ने कहा, कि परमेश्वर कही बाहर नही है, लेकिन पुराने नियम का परमेश्वर है, यहाँ पूरी परंपरा है, याने यहाँ परमेश्वर के अस्तित्व के बारे में अच्छी बहस हुई है, हमारे पास सबूत हैं कि परमेश्वर ने वचन लिखे हैं, हमारे पास सबूत है कि उसने समय पर काम किए हैं, यदि यीशु ने चमत्कार किए हैं तो वो मुर्दों में से जी उठा है, और यदि आज हम डबल ब्लाइंड अनुभव के केस देखते हैं, जहाँ हम मेडिकल जरनल पब्लिशेस का प्रार्थना का उत्तर देखते हैं, जहाँ 26 में से 21 कैटगरी में ये व्यक्ति सही तरह से बेहतर है, और आप चंगाई के उदाहरण देखते हैं जिसे देखने के लिए हमारे पास समय नही था, मृत्यु के पास के अनुभव और फिर हम ने पुनरुत्थान के सबूतों के बारे में चर्चा की है, मैं सोचता हूँ कि मसीही लोगों के विचार

से पुनरुत्थान की बात दूर नही है, ये बड़े चित्र का भाग है, जिसे हम आस्था का संसारिक दृष्टिकोण कहेंगे, ये बड़े चित्र का भाग है, और इस चित्र में, ये सच्चाई कि परमेश्वर ने यीशु को जिलया ये अद्भुत है, ये अद्भुत है, ये दिखता है कि यीशु वही है जो उसने कहा कि वो है, लेकिन वो जीवित है और परमेश्वर संसार में अगल तरह से भी काम कर रहा है/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्क्रद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ड्ढक्ष्